



Rajesh kumar Baheti

02 Feb 1967

03:30 PM

Bikaner

Model: web-freekundliweb

Order No: 121095807

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 02/02/1967
दिन _____: गुरुवार
जन्म समय _____: 15:30:00 घंटे
इष्ट _____: 20:15:17 घटी
स्थान _____: Bikaner
राज्य _____: Rajasthan
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:01:00 उत्तर
रेखांश _____: 73:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:36:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 14:53:28 घंटे
वेलान्तर _____: -00:13:43 घंटे
साम्पातिक काल _____: 23:41:07 घंटे
सूर्योदय _____: 07:23:53 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:16:45 घंटे
दिनमान _____: 10:52:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 19:28:13 मकर
लग्न के अंश _____: 14:23:03 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी _____: तुला - शुक्र
नक्षत्र-चरण _____: विशाखा - 2
नक्षत्र स्वामी _____: गुरु
योग _____: वृद्धि
करण _____: कौलव
गण _____: राक्षस
योनि _____: व्याघ्र
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: शूद्र
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: सर्प
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: वायु
जन्म नामाक्षर _____: तू-तुकाराम
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: कुम्भ

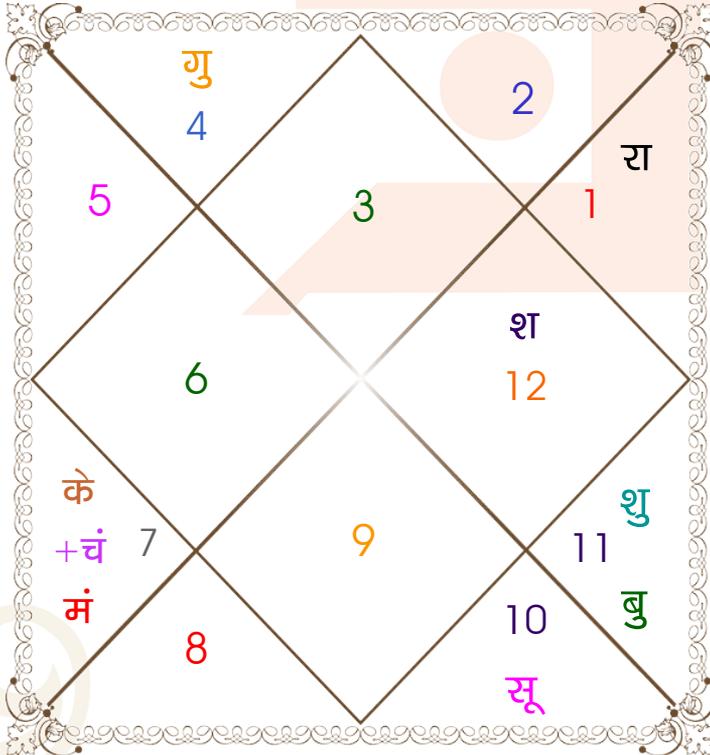
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:23:03	320:56:23	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	---
सूर्य			मक	19:28:13	01:00:53	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	25:17:53	13:43:27	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल			तुला	03:44:31	00:19:08	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध			कुंभ	00:20:15	01:45:15	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
गुरु	व		कर्क	04:19:45	00:07:32	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	उच्च राशि
शुक्र			कुंभ	09:53:07	01:14:48	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	03:17:20	00:06:04	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		मेष	18:08:56	00:00:11	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	18:08:56	00:00:11	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	सम राशि
हर्ष	व		कन्या	00:30:32	00:01:45	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	---
नेप			वृश्चि	00:48:58	00:00:46	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
प्लूटो	व		सिंह	26:49:25	00:01:11	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	---
दशम भाव			मीन	01:27:28	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

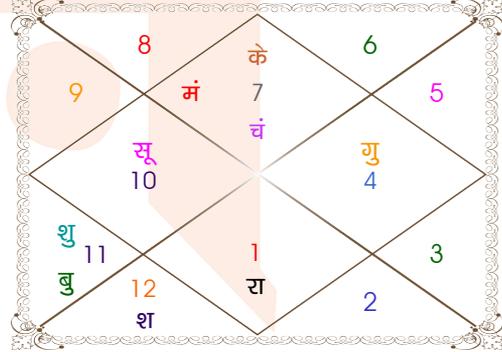
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:23:40

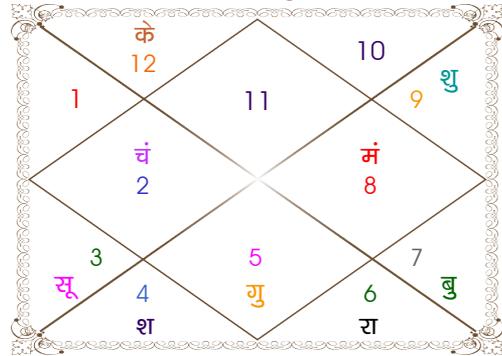
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 9 वर्ष 7 मास 21 दिन

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
02/02/1967	24/09/1976	25/09/1995	24/09/2012	25/09/2019
24/09/1976	25/09/1995	24/09/2012	25/09/2019	25/09/2039
00/00/0000	शनि 28/09/1979	बुध 20/02/1998	केतु 20/02/2013	शुक्र 24/01/2023
02/02/1967	बुध 07/06/1982	केतु 18/02/1999	शुक्र 22/04/2014	सूर्य 25/01/2024
बुध 31/08/1967	केतु 17/07/1983	शुक्र 18/12/2001	सूर्य 28/08/2014	चंद्र 24/09/2025
केतु 06/08/1968	शुक्र 15/09/1986	सूर्य 25/10/2002	चंद्र 29/03/2015	मंगल 24/11/2026
शुक्र 07/04/1971	सूर्य 28/08/1987	चंद्र 25/03/2004	मंगल 25/08/2015	राहु 24/11/2029
सूर्य 25/01/1972	चंद्र 29/03/1989	मंगल 23/03/2005	राहु 12/09/2016	गुरु 25/07/2032
चंद्र 26/05/1973	मंगल 07/05/1990	राहु 10/10/2007	गुरु 19/08/2017	शनि 25/09/2035
मंगल 01/05/1974	राहु 13/03/1993	गुरु 15/01/2010	शनि 28/09/2018	बुध 26/07/2038
राहु 24/09/1976	गुरु 25/09/1995	शनि 24/09/2012	बुध 25/09/2019	केतु 25/09/2039

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
25/09/2039	24/09/2045	25/09/2055	25/09/2062	24/09/2080
24/09/2045	25/09/2055	25/09/2062	24/09/2080	00/00/0000
सूर्य 12/01/2040	चंद्र 26/07/2046	मंगल 21/02/2056	राहु 07/06/2065	गुरु 12/11/2082
चंद्र 13/07/2040	मंगल 24/02/2047	राहु 10/03/2057	गुरु 31/10/2067	शनि 26/05/2085
मंगल 18/11/2040	राहु 25/08/2048	गुरु 14/02/2058	शनि 06/09/2070	बुध 02/02/2087
राहु 13/10/2041	गुरु 25/12/2049	शनि 26/03/2059	बुध 26/03/2073	00/00/0000
गुरु 01/08/2042	शनि 26/07/2051	बुध 22/03/2060	केतु 13/04/2074	00/00/0000
शनि 14/07/2043	बुध 24/12/2052	केतु 18/08/2060	शुक्र 13/04/2077	00/00/0000
बुध 19/05/2044	केतु 25/07/2053	शुक्र 19/10/2061	सूर्य 08/03/2078	00/00/0000
केतु 24/09/2044	शुक्र 26/03/2055	सूर्य 23/02/2062	चंद्र 06/09/2079	00/00/0000
शुक्र 24/09/2045	सूर्य 25/09/2055	चंद्र 25/09/2062	मंगल 24/09/2080	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 9 वर्ष 8 मा 4 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृत्ति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रुझान को सुव्यवस्थित नहीं कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत् गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नहीं कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ठ होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।

